बैचलर ऑफ आर्ट्स (संस्कृत)

Bachelor of Arts (Sanskrit)

द्वितीय सेमेस्टर, बी0ए0एस0एल (N)- 121

वैदिक कर्मकाण्ड एवं अनुष्ठान

अनुक्रम

खण्ड- एक (Section-A) नित्य-नैमित्तिक अनुष्ठान विधि	**पृष्ठ संख्या 01-04**
इकाई-1 नित्य कर्म विधि	5-25
इकाई-2 षोडशोपचार पूजन विधि	26-40
इकाई-3 पंचांग परिचय एवं महत्त्व	41-52
इकाई-4 मुहूर्त विचार	53-66
इकाई-5 नवग्रह शान्तिविधि एवं महत्त्व	67-86
इकाई- 6 मूल गण्डान्त शांति विधि	87-101
खण्ड- दो (Section-B) वैदिक कर्मकाण्ड का स्वरूप	**पृष्ठ संख्या 102**
इकाई-1 कर्मकाण्ड का उद्भव एवं विकास	103-116
इकाई-2 पञ्च भू संस्कार एवं अग्नि स्थापना विधि	117-130
इकाई-3 कुशकण्डिका विधि	131-142
इकाई-4 कुण्ड निर्माण एवं होम विधि	143-155
इकाई-5 पूर्णाहुति विधान	156-170
खण्ड- तीन (Section-C) संस्कारों का स्वरूप एवं महत्व	**पृष्ठ संख्या 171**
इकाई-1 संस्कार अर्थ एवं परिभाषा	172-191
इकाई-2 गर्भाधान-पुंसवन-सीमन्तोन्नयन-जातकर्म संस्कार विधि एवं महत्त्व	192-205
इकाई-3 नामकरण-निष्क्रमण-अन्नप्राशन-चूड़ाकर्म संस्कार विधि एवं महत्त्व	206-218
इकाई-4 विद्यारंभ-कर्णवेध-यज्ञोपवीत-वेदारम्भ संस्कार विधि एवं महत्त्व	219-233
इकाई-5 केशान्त-समावर्तन-विवाह-अन्त्येष्टि संस्कार विधि एवं महत्त्व	234-249